भजन

साथ में है पिया अपनी रूहों के,
खोल रूह की नजर उन्हें पहचानिए
जो समझ जाएगा सुख अर्श के यहीं,
अपनी निसवत के सुख वो यहां लीजिए

1– वो सुन तो रहे सबके दिल की सदा,
दिल में बैठे हैं वो उनसे कहना ही क्या
कहना होता है उनको जो हो दूसरा,
एक है जो जुदा नाम न दीजिए
2– होता निसवत वालों को दीदार है,
मिलता उनको अर्श का यहां प्यार है
जिस तरह चाहे उनको नजर आए वो,
खोल रूह की नजर उन्हें पहचानिए
3– जो धनी हैं हमारे वो तो कभी,
दुख रूहों को वो दे सकते नहीं
ये लाड दिखाया है हमको यहां,
नाम दुख का इसे अब न दीजिए